एसआरएम में अटल स्कीम के तहत पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

मोदीनगर (करंट क्राइम)। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित एसआरएम आईएसटी के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के तत्वाधान में तकनीकी शिक्षा के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अंतर्गत अटल स्कीम के तहत पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर, असम प्रो0 शिवाजी बंद्योपाध्याय व विशिष्ट अतिथि प्रो0 व एसोसिएट हैड अनुसंधान प्रौद्योगिकी ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड, डॉ0 पीटर हान जू चोंग ने सयुक्त रूप से नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स व वायरलेस संचार शिक्षा में अनुसंधान पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करके सभा को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया।

उन्होंने मानव जीवन में नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स मैटेरियल्स की उपयोगिता को बताते हुए बताया कि कैसे अनुसंधान प्रौद्योगिकी ऑकलैंड विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानो में नैनो मेटेरिलस में हो रही नई शौध हमारी आने वाली दुनिया को बदलने का दम रखती है। इस कार्यक्रम के स्वागत भाषण में एसआरएम के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ0 एस विश्वनाथन ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए सबका स्वागत किया। एसआर एम आईएसटी के डीन डॉ0 देवेंद्र कुमार शर्मा ने संस्थान द्वारा शिक्षक और विद्यार्थी उत्थान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस ऑनलाइन कार्यक्रम के उद्घाटन में डॉ0 एनएम मिश्रा, डीन मैनेजमेंट, डॉ0 आरपी महापात्रा डीन एडमिशन, डॉ0 नवीन अहलावत डीन कैंपस लाइफ भी मौजुद रहे। डॉ0 पंकज सिंह व संचालन समन्वयन डॉ0 पंकज सिंह, सहसमन्वयन डॉ0 सत्य साई श्रीकांत व डॉ0 प्रशांत मणि के द्वारा किया गया। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम मे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आगेर्नाइजेशन, भारतीय तकनीकी संस्थान, नेशनल तकनीकी संस्थान, जामिया यूनिवर्सिटी व देश के दूसरे सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों के शिक्षक एवं साइंटिस्ट आदि हो रही नई नई खोजों के बारे मे जानकारी देंगे। जीवन में आने वाले तनावो से कैसे निपटा जा सकता है, के बारे मे भी अपना मार्गदर्शन दे रहे है। इस ऑनलाइन कार्यक्रम मे भारत के विभिन्न राज्यों के 170 से भी जयादा शिक्षक व शोधकर्ता भाग ले रहे हैं।

एसआरएम यूनिवर्सिटी में पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ शुभारम्भ

मीडिया फॉर यू

मोदीनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित एस. आर. एम. आई. एस. टी. के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के तत्वावधान में तकनीकी शिक्षा के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अंतर्गत अटल स्कीम के तहत पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया। 06 सितम्बर से प्रारंभ हुए इस प्रोग्राम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रो. शिवाजी बंद्योपाध्याय, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर, असम एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. पीटर हान जु चेन प्रेसिडेंट और एसोसिएट हेड अनुसंधान प्रौद्योगिकी ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड ने नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स और वायरलेस संचार शिक्षा में अनुसंधान पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करके सत्र को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने मानव जीवन में नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स मैटेरियल्स की उपयोगिता को बताते हुए बताया कि कैसे अनुसंधान प्रौद्योगिकी ऑकलैंड विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानो में नैनो मैटेरियल्स में हो रही नई शोध हमारी आने वाली दुनिया को बदलने का दम रखती है। इस कार्यक्रम के स्वागत भाषण में एस. आर. एम. के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. एस. विश्वनाथन ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए सबका स्वागत किया। एस आर एम आई एस टी के डीन डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा ने संस्थान द्वारा शिक्षक और विद्यार्थी उत्थान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस ऑनलाइन कार्यक्रम के उद्घाटन में डॉ. आर. एस. मिश्रा, डीन मैनेजमेंट, डॉ. आर. पी. महापात्रा डीन एडमिशन, डॉ. नवीन अहलावत डीन कैंपस लाइफ भी मौजूद रहे। डॉ. पंकज सिंह, हेड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व सभी वक्ताओं का कार्यक्रम से जुड़ने के लिए धन्यवाद किया। एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) द्वारा प्रायोजित "नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स और आरएफ इंजीनियरिंग" पर पांच दिवसीय एफडीपी का संचालन समन्वयक डॉ. पंकज सिंह, और सह-समन्वयक डॉ.सत्य साई श्रीकांत और डॉ. प्रशांत नागि के द्वारा किया जा रहा है। पांच दिन चलने वाले इस कार्यक्रम ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, भारतीय तकनीकी संस्थान, नेशनल तकनीकी संस्थान, जामिया यूनिवर्सिटी व देश के दूसरे सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों के शिक्षक एवं साइंटिस्ट आदि हो रही नई नई खोजों के बारे मे जानकारी दे रहे हैं। जीवन मे आने वाली समस्याओं से कैसे निपटा जा सकता है, के बारे में भी अपना मार्गदर्शन दे रहे हैं। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के 170 से भी ज्यादा शिक्षक व शोधकर्ता भाग ले रहे हैं।